Course – BA Education Hons, part 1
paper – 1 (Philosophical & sociological Foundation Of Education)
Topic – Idealism in Education
prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 5 : शिक्षा में आदर्शवाद
Unit-5 : IDEALISM IN EDUCATION

5.1 आदर्शवाद का अर्थ (meaning of Idealism) :-

आदर्शवाद अंग्रेजी के Idealism शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। यह दो शब्दों आइडिया (Idea) और इज्म (ism) का मेल है। इन दो शब्दों के समुच्चय का तात्पर्य आदर्शवाद या विचारवाद से है। इस सिद्धान्त के अनुसार अन्तिम सत्ता विचारों की है। आदर्शवाद आध्यात्मिक सत्ता को अन्तिम सत्ता मानता है। आदर्शवाद सत्यम् शिवम् तथा सुन्दरम् जैसे शाश्वत मूल्यों को स्वीकार करता है। इन मूल्यों की प्राप्ति का अर्थ है ईश्वर की प्राप्ति। इन्हीं शाश्वत मूल्यों की अभिव्यक्ति द्वारा मानव पूर्णता को प्राप्त करता है। दर्शन की यह विचारधारा सामाजिक भावना को भी महत्व देती है।

5.2 आदर्शवाद की परिभाषा (Definition of Idealism)

जे० एस० रॉस के अनुसार,
"आदर्शवादी दर्शन के बहुत से और विविध रूप से हैं। परन्तु सबका आधारभूत तत्व यही है कि संसार का उत्पादन कारण मन तथा आत्मा है कि वास्तविक स्वरूप मानसिक स्वरूप का है।"

डी० एम० दत्ता के अनुसार,
"आदर्शवाद वह सिद्धान्त है जो अन्तिम सत्ता आध्यात्मिक मानता है।"

Scanned with CamScanner

5.3 आदर्शवाद की विशेषताएँ (characteristics of Idealism):-

(1) मन की सत्ता सर्वोत्तम :

आदर्शवादी मन को वास्तविक मानते हैं, मन की सुन्दरता से जगत सुन्दर दिखता है। अतः मन ही सत्यम् शिवम् एवं सुन्दरम् जैसे ईश्वरीय गुणों को उत्पन्न करता है। मन बहुत ही शक्तिशाली होता है।

(2) आत्मा एवं परमात्मा में विश्वास:-

सम्पूर्ण संसार ईश्वर की अभिव्यक्ति है, मनुष्य क्या सभी जीव ईश्वर के अंश हैं। शरीर नष्ट होने के बाद आत्मा परमात्मा में विलीन हो जाती है। आत्मा कभी नष्ट नहीं होती है यह चिंतन एवं अनश्वर है। आदर्शवादियों का विचार है कि सर्वोत्तम ज्ञान आत्मा का ज्ञान है।

(3) मनुष्य में विश्वास :-

मनुष्य सर्वोत्तम जीव है क्यों कि उसके पास चिंतन, तर्क एवं बुद्धि जैसे विशेष गुण हैं। मनुष्य की आध्यात्मिक शक्ति से भौतिक वातावरण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

(4) चरम लक्ष्य आध्यात्मिक वास्तविकता की अनुभूति-

मनुष्य तीन प्रकार से व्यवहार करता है - ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक। इन्हीं तीन क्रियाओं द्वारा वह सत्यम् शिवम् एवं सुन्दरम् जैसे शाश्वत मूल्यों को अर्जित करता है।

(5) विभिन्नता में एकता :-

संपूर्ण संसार पर ईश्वर का नियंत्रण है। अतः सम्पूर्ण संसार में अद्भुत एकता है।

Scanned with CamScanner

5.4 आदर्शवाद एवं शिक्षा (Idealism & Education):-

आदर्शवाद में भौतिक जगत को महत्व नहीं दिया जाता है वरन् आध्यात्मिक जगत की सत्ता को वास्तविक माना जाता है। इसमें पदार्थों के स्थान पर विचारों, आदर्शों, नैतिकता आदि पर बल दिया जाता है। आदर्शवाद मनुष्य को संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानता है। प्रसिद्ध दार्शनिक हर्मन हेरिल हार्न का कथन है कि "व्यक्तित्व निर्माण में तीन शक्तियाँ काम करती है - वातावरण, वंश परम्परा और संकल्पशक्ति। शिक्षा इन्हीं तीनों के सहयोग से चलने वाली प्रक्रिया है।

5.5 आदर्शवादी शिक्षा का अर्थ (Meaning of Idealistic Education)

आदर्शवादी शिक्षा का अर्थ है - सत्यम् शिवम् एवं सुन्दरम् की प्राप्ति। ब्रह्मांड के सत्य की खोज करना शिक्षा का कार्य है। आदर्शवादी की मान्यता है कि ईश्वर, आत्मा, निरपेक्ष मनस सत्य है। आदर्शवाद मानता है कि निरपेक्ष सत्ता (ईश्वर) सुन्दर है। इस संसार में जो कुछ सुन्दर दिखाई दे रही है, उसी की प्रतिच्छाया है।

पाश्चात्य आदर्शवादियों ने शिक्षा को सद्गुणों का विकास माना है। प्लेटो के अनुसार, शरीर, मन एवं आत्मा का विकास करना ही शिक्षा है।

स्वामी विवेकानन्द ने शिक्षा को मनुष्य की अन्तर्निहित शक्तियों का पूर्णता की अभिव्यक्ति बताया है। गाँधी जी ने, बालक एवं मनुष्य के शरीर, मन एवं आत्मा के सर्वोत्तम गुणों का विकास करना शिक्षा का कार्य बताया है।

Scanned with CamScanner

5.6 आदर्शवाद और शिक्षा के उद्देश्य

(1) आत्मानुभूति का उद्देश्य
(2) शाश्वत मूल्यों की प्राप्ति का उद्देश्य
(3) अनेकता में एकता का उद्देश्य
(4) सांस्कृतिक विकास का उद्देश्य
(5) विवेक शक्ति का विकास करना
(6) शाश्वत मूल्यों की प्राप्ति
(7) सांस्कृतिक विरासत की वृद्धि
(8) पवित्र जीवन की तैयारी

5.7 आदर्शवाद एवं पाठ्यक्रम (Idealism & Curriculum)

आदर्शवादियों ने पाठ्यक्रम पर बहुत प्रभाव डाला है। पाठ्यक्रम के बारे में उनके विचार निम्नलिखित हैं :—

1. पाठ्यक्रम के आधार जीवन के सर्वोच्च आदर्श होने चाहिए।
2. उसे सभ्यता एवं संस्कृति का प्रतिबिम्ब होना चाहिए।
3. उसे मानव जाति के अनुभवों को व्यक्त करना चाहिए।
4. उसे मानव जाति के अनुभवों का प्रतीक होना चाहिए।
5. उसे मानव जाति के अनुभवों को संगठित करना चाहिए।
6. मनुष्य के अनुभवों में उसके भौतिक तथा सामाजिक वातावरण के अनुभव आते हैं। इसलिए पाठ्यक्रम में विभिन्न विज्ञान तथा मानव शास्त्रों को स्थान मिलना चाहिए।

5.8 आदर्शवाद और शिक्षण विधियाँ (Idealism & Teaching methods)

आदर्शवादियों ने निम्नांकित विधियों का सुझाव दिया है :—

(1) **प्रश्नोत्तर विधि** :— प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात ने प्रश्नोत्तर विधि को अपनाया।

Scanned with CamScanner

(2) संवाद विधि (Dialectic method):-
(लेटो ने इस विधि को अपनाया था)

(3) निगमन-आगमन विधि (Deductive Inductive method):-
महान दार्शनिक अरस्तु ने इस विधि का प्रचलन किया।

(4) वाद-विवाद विधि (Discussion method):-
भारतीय एवं कुछ पाश्चात्य आदर्शवादी विचारकों ने इस विधि का प्रयोग किया। इस विधि में बालक सक्रिय रहता है।

(5) व्याख्यान विधि (Lecture method):-
इस विधि के द्वारा बालक में सौन्दर्यानुभूति की भावना को जाग्रत करने का प्रयास किया जाता है। इस विधि का वर्तमान समय में अधिक प्रयोग होता है।

(6) निर्देशन विधि (Instruction method)
महान दार्शनिक हर्बर्ट ने निर्देशन विधि को अपनाया।

5.9 आदर्शवाद और शिक्षक (Idealism & Teacher):-
आदर्शवाद में शिक्षक का स्थान बहुत ही महत्वपूर्ण है। आदर्शवाद के अनुसार शिक्षक आत्म ज्ञान, आत्म क्रियाशीलता तथा आध्यात्मिक गुणों का भंडार होता है। शिक्षक का कार्य बालक की सहानुभूतिपूर्वक सहायता करके उसका उचित दिशा में मार्गदर्शन करना है जिससे वह पूर्णरूपेण विकसित होते हुए मानसिक एवं आध्यात्मिक पूर्णता को प्राप्त कर सके।

Scanned with CamScanner

5.10 आदर्शवाद और बालक (Idealism and child)

आदर्शवादी शिक्षा को बाल केन्द्रित नहीं मानते हैं। उनके अनुसार शिक्षा द्वारा बालकों में उच्च विचारों तथा आदर्शों को पैदा करना है। आदर्शवादी शिक्षा योजना में आदर्शों या विचारों को प्रमुख स्थान और बालक को गौण स्थान दिया जाता है।

5.11 आदर्शवाद तथा अनुशासन (Idealism & Discipline):-

आदर्शवादियों का नारा अनुशासन है। आदर्शवादी मानते हैं कि बालक का पूर्ण विकास तभी संभव है जबकि वो अनुशासित रहे। अनुशासित रह कर बालक आत्मानुभूति और आध्यात्मिकता जैसे सद्गुणों को प्राप्त कर सकता है। आदर्शवादी दमनात्मक अनुशासन की अपेक्षा प्रभावात्मक अनुशासन को विशेष महत्व देते हैं।

5.12 अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise)

Q1. Define Idealism. Describe the discipline, teacher and teaching methods according to Idealism.
आदर्शवाद को परिभाषित कीजिए। आदर्शवाद के अनुसार अनुशासन, शिक्षक तथा शिक्षण विधियों का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner